

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय



Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-06-दिसंबर-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट <http://cwc.gov.in/news-clipping> परदेखें



The Hindu 06-December-2020

States with stressed groundwater top in cereal trade: study

'39% of groundwater being used up'

JACOB KOSHY
NEW DELHI

States with critically low groundwater reserves were responsible for 41%, or about 38.6 million tonnes, of domestic cereal trade. This worked out to nearly 39% of the groundwater being used up in producing and trading cereals among States.

Moreover, a further 21% (19.6 Mt) of domestically produced cereals were exported from six States with 'semicritical' to 'critical' groundwater status equivalent to 32% of groundwater, according to an analysis by scientists spanning multiple institutions in India and abroad. The study appears in the peer-reviewed *Environmental Research Letters*.

Water-intensive crops

Cereals are the source of about half the energy that an average Indian gets from her diet. Within them, rice and wheat dominate cereal production and it's also known that they are intensely water-consumptive crops. The researchers relied on mathematical modelling and used data-sets from 2011-12 – the most updated they say – that had information on inter-State trade of cereals, domestic production, cost of transportation between States. From this the "water footprint" of producing and transporting cereals was estimated.

Previous studies of embedded water flow in agricultural production have usually focussed on interna-



Wheat and rice dominate the cereal production in the country. •PTI

tional movements – for instance the amount of water that was lost when a country imported a food crop from another, whereas this focussed on domestic movements and incorporates the role of the public distribution system (PDS) as well as international outflows, the authors note.

Trade patterns varied between PDS and non-PDS cereals. The majority (58%; 58.0 Mt) of inter-State cereal trade occurred through the PDS. "Our findings reiterate the substantial potential for balancing water resources through the trade of crops in India, either in addition to or in place of large-scale infrastructure projects," say the authors. The institutions involved in the study were the Kalinga Institute of Technology, Bhubaneswar; the Ashoka Trust for Research in Ecology and the Environment, Bengaluru; the London School of Hygiene and Tropical Medicine, University College London and the Brandenburg University of Technology, Germany.

N India remains dry; Mumbai sees seasons' lowest minimum temp

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Mumbai recorded the season's lowest minimum temperature on Saturday even as most parts of north India remained dry except Keylong in Himachal Pradesh which received fresh snowfall. In the south, Tamil Nadu continued to receive rains, even as Chief Minister K Palaniswami deputed 11 ministers to personally visit cyclone 'Burevi' affected districts to coordinate rescue and relief operations.

Heavy rains under the influence of 'Burevi' lashed the state on December 3 and 4, particularly several southern districts of the state.

Mumbai also recorded the season's lowest minimum temperature at 18.4 degree Celsius, and most other parts of Maharashtra also witnessed an overall drop in the mercury levels.

In the hills, Keylong in Lahaul and Spiti district received fresh snowfall and remained the coldest place in Himachal Pradesh at minus 3.5 degrees Celsius.

The meteorological department has forecast rain and snowfall in the middle and high hills of Himachal Pradesh between Monday and Wednesday along with rain in plains and low hills on Tuesday.

Further north, night temperatures at most places in Kashmir stayed above the freezing point owing to overcast condition with Gulmarg and Kokernag being the two weather stations where the mercury stayed below zero.

Gulmarg skiing resort in north Kashmir was the cold-



View of snow covered Sissu lake after the town received fresh snowfall, in Lahaul-Spiti, Himachal Pradesh, on Saturday

est recorded place in the Valley with a minimum temperature of minus 3.8 degrees Celsius.

Wet weather is forecast in the Kashmir Valley over the next few days with a possibility of snow in higher reaches owing to a western disturbance affecting the local weather system.

Meanwhile, the minimum temperatures settled above normal limits in Haryana and Punjab, with Chandigarh, the common capital of the two states, recording a low of 10.6 degrees Celsius, up three notches against normal limits.

In Haryana, Ambala recorded a low of 11.8 degrees Celsius, up four notches while Amritsar in Punjab recorded a minimum temperature of 12.6 degrees Celsius, eight notches above normal.

In Uttar Pradesh, the weather remained dry with dense to very dense fog observed at isolated places over eastern parts of the state, the meteorological office said,

adding that moderate fog was observed at isolated places over of western UP and there was no significant change in day temperature.

The highest maximum temperature of 32.1 degrees Celsius was recorded at Jhansi while the lowest minimum temperature of 6.5 degrees Celsius was registered in Fatehgarh.

Mount Abu was the coldest recorded place in Rajasthan even as the minimum temperature in parts of the state increased by one to two notches in the past 24 hours.

Mount Abu recorded a minimum temperature of 5 degrees Celsius, while in the plains, Sikar recorded 9 degrees Celsius. The MeT department has forecast dry weather for the next 24 hours.

In the south, rains continued in Tamil Nadu as Chief Minister K Palaniswami deputed 11 ministers to personally visit cyclone 'Burevi' affected districts to coordinate rescue and relief operations.

Haribhoomi 06-December-2020

चक्रवात का असर

35 घंटे से मन्नार की खाड़ी में रुका बुरेवी, आंधी की आशंका

एजेसी ►► चेन्नई

चक्रवात बरवी पिछले 35 घंटे से रामनाथन तट के रामनाथपुरम जिले के तट के पास मन्नार की खाड़ी के ऊपर ही रुका हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, इलाके में यह डिप्रेशन फिलहाल इसी स्थिति में बना रहेगा और अगले 12 घंटे में इसके धीरे-धीरे कमजोर पड़ने की संभावना है। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि लक्षद्वीप-मालदीव, कमोरिन, दक्षिण-पूर्व अरब सागर और दक्षिण केरल तट पर 55 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। यहां हवाओं की रफ्तार 35 से 45 किमी/घंटा है।



केरल-लक्षद्वीप में बारिश की संभावना

केरल तट पर पोडि़योर से कोड्डीकोड तक शनिवार को रात 11.30 बजे तक 1.5 से 3.2 मीटर तक की लहरें उठने की संभावना है। 7 दिसंबर तक केरल और लक्षद्वीप के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। चिदंबरम स्थित नटराज मंदिर में भी पानी भर गया। इसके बावजूद लोग भगवान नटराज के दर्शन करने पहुंचे।

Rajasthan Patrika 06-December-2020

रामगढ़ बांध: पत्रिका ने खंगाली हकीकत, कैचमेंट में जहां देखो, मुंह चिढ़ा रहे एनिकट दफ्तरों में बैठे अफसर, ये रहा मौके का मंजर

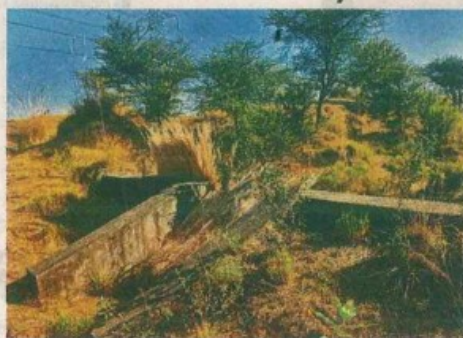
हटाना तो दूर, देखना ही नहीं चाहते सिंचाई विभाग के अफसर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आमेर (अचरोल). रामगढ़ बांध का गला कैसे छुट रहा है, यह देखने का हौसला सिंचाई विभाग और संबंधित अन्य विभागों-अफसरों ने कभी सार्थक रूप में दिखाया ही नहीं। अफसर दफ्तरों में ही बैठे रहे और बांध के अस्तित्व पर संकट बढ़ता गया। अतिक्रमण और एनिकट की संख्या ही नहीं बल्कि आकार भी लगातार बढ़ता रहा है।

राजस्थान पत्रिका ने बहाव क्षेत्र में हकीकत खंगाली तो जगह-जगह ऐसा ही मंजर सामने आया। पड़ताल में सामने आया कि आमेर क्षेत्र में जगह-जगह खड़े अवरोधक बांध में पानी की आवक रोक रहे हैं। ये अवरोधक एक-दो नहीं बल्कि लगभग 24 हैं। अरसा बीतने के बावजूद जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग इन्हें हटा नहीं पा रहा है। कई जगह तो विभाग ने मौके पर जाकर देखा तक नहीं है।

जिम्मेदारों को नहीं दिखती हकीकत: अचरोल और चंदवाजी में बहाव क्षेत्र में दर्जनों कच्चे-पक्के एनिकट बने हुए हैं। ये 7 से 16 फीट तक ऊंचे हैं लेकिन विभाग को नहीं दिखते। कुछ एनिकट ऐसे हैं, जहां विभाग ने एक-दो फीट नाली के रूप में तोड़कर इतिश्री कर ली है।



बहाव क्षेत्र में बनाए गए एनिकट और सड़क।



-फोटो पत्रिका

पोल खोलतीं तस्वीरें: अचरोल-जैतपुर खींची मार्ग पर कई एनिकट

1. अचरोल-जैतपुर खींची मार्ग पर 7 से 10 फीट ऊंचा सबसे बड़ा पक्का एनिकट गोविंद कोठी हनुमान मंदिर के पीछे है। यहां आज तक कोई अधिकारी सुघ लेने नहीं पहुंचा। यहां करीबी पहाड़ियों सहित जैतपुर खींची के आसपास से बारिश का पानी आता है।
2. कालिका माता मंदिर के पास यह पक्का एनिकट 6 से 8 फीट ऊंचा है। यहां आसपास की पहाड़ियों से पानी आता है।
3. यह 6 फीट से अधिक ऊंचा पक्का एनिकट मीना की ढाणी मार्ग के पास जैतपुर खींची रोड

- पर है। लोगों ने पानी डालकर भर रखा है।
4. यह एनिकट जैतपुर खींची रोड पर मोदुकाला की ढाणी मार्ग पर कट के सामने है। यह 200 फीट लम्बा, 10 से 12 फीट चौड़ा और 8 से 10 फीट ऊंचा है। विभाग ने 2 फीट नाली के रूप में हटाकर यहां इतिश्री कर ली। पिछले एनिकटों से बचा तथा आसपास के क्षेत्र से पानी यहां आकर रुक जाता है।
 5. यह एनिकट कच्चा है लेकिन बड़ा है। ऊंचाई 15 से 20 फीट है। विभाग ने 10 फीट चौड़ाई में तोड़कर इतिश्री कर ली। इसमें

- जैतपुर खींची, सांगावाला सहित आसपास के गांवों से पानी आता है।
6. अचरोल-जैतपुर खींची रोड पर मीना की ढाणी मार्ग के सामने रेत के टीले के पास नाले पर पक्की सीमेंटेड सड़क बनाकर पानी को रोक दिया गया है।
 7. जैतपुर खींची रोड से छपर की ढाणी जाने वाले रास्ते पर 3 एनिकट हैं। ये 6 से 7 फीट ऊंचे हैं। हटाना तो दूर, विभाग को इनकी जानकारी तक नहीं है।
 8. अचरोल की बंधवाली ढाणी में स्थित यह एनिकट मिट्टी से बना है लेकिन यहां के बहाव क्षेत्र

- में सबसे बड़ा है। लगभग 200 मीटर लम्बा, 20 फीट ऊंचा है और बांध के रूप में बना हुआ है। इसमें बारिश के दौरान दर्जनों ढाणियों से पानी आता है, जो अचरोल नदी की ओर बहता है। एनिकट के कारण पानी बहाव क्षेत्र तक नहीं पहुंच पाता। आसपास अनेक लोग दीवारें खड़ी कर और तारबंदी कर खेती कर रहे हैं।
9. कूकस, चंदवाजी, सीतापुरा, जैतपुर खींची, निम्स के आसपास अनेक एनिकट और अवरोधक हैं। विभाग ने हटाना तो दूर, इन्हें देखा तक नहीं है।